**भारत सरकार**

**कृषि एवं किसान कल्‍याण मंत्रालय**

**कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्‍याण विभाग**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 1159**

**27 जुलाई, 2018 को उत्‍तरार्थ**

**विषय: किसानों की आय को दोगुनी करना**

**1159. श्रीमती सरोजिनी हेम्ब्रमः**

**क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान सरकार द्वारा किसानों की आय को जानने तथा वर्ष 2022 तक इसे दोगुनी करने हेतु राज्य-वार कितनी बार सर्वेक्षण कराया गया है;

(ख) इस सर्वेक्षण में ऐसे कितने किसानों की पहचान की गई है जो अपने फसल नुकसान तथा संबंधित समस्याओं की वजह से गहरी वित्तीय कठिनाई में जीवन यापन कर रहे हैं;

(ग) क्या किसानों की आय को दोगुनी करने के लक्ष्य को प्राप्त करना इसकी पहुंच के भीतर है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्‍तर**

**कृषि एवं किसान कल्‍याण मंत्रालय में राज्‍य मंत्री**

**(श्री गजेन्‍द्र सिंह शेखावत)**

(क) देश में प्रति कृषि परिवार औसत आय का नवीनतम उपलब्‍ध अनुमान राष्‍ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) द्वारा अपने 70वें दौर (जनवरी 2013-दिसम्‍बर 2013) के दौरान संचालित “कृषि परिवारों का स्‍थिति आकलन सर्वेक्षण” पर आधारित है। सर्वेक्षण के निष्‍कर्षों के अनुसार, प्रति कृषि परिवार सभी स्रोतों से औसत मासिक आय 6426/- रूपए आकलित है। राज्‍यवार प्रति कृषि परिवार औसत मासिक आय अनुबंध में दिया गया है।

सरकार ने 2013 के बाद ऐसा कोई सर्वेक्षण नही कराया है। तथापि, राष्‍ट्रीय सांख्‍यिकी आयोग (एनएससी) ने कृषि वर्ष जुलाई 2018-जून 2019 के संदर्भ में एनएसएस 77वें दौर (जनवरी 2019-दिसम्‍बर 2019) में कृषि परिवारों का अगला स्‍थिति आकलन सर्वेक्षण (एसएएएस) करने का निर्णय लिया है।

(ख) फसल की हानि और संबंधित समस्‍याओं के कारण गंभीर वित्‍तीय कठिनाईयों में रहने वाले किसानों की संख्‍या सर्वेक्षण रिपोर्ट में उपलब्‍ध नही है। तथापि, कृषि परिवार द्वारा प्रत्‍येक मुख्‍य फसल की सूचना के संबंध में फसल की हानि और कुल औसत हानि के कारण् का आकलन किया गया था।

कृषि वर्ष (जुलाई 2012-दिसंबर 2012) के प्रथम अर्द्धांश के दौरान, नारियल और उड़द को छोड़कर सभी चयनित फसलों के लिए अपर्याप्‍त वर्षा/सूखा को फसल हानि का सबसे बड़ा कारण बताया गया, जबकि ‘बीमारी/कीड़ा/पशु’ को नारियल और उड़़द फसलो की हानि के लिए मुख्‍य कारण बताया गया था। (जनवरी 2013-जून 2013) की अवधि के दौरान, ‘बीमारी/कीड़ा/पशु’ को अधिकांश फसलों के लिए फसल हानि का सबसे बड़ा कारण बताया गया था। चना, आलू, रेपसीड/सरसों जैसी फसलों के लिए कृषि परिवारों ने प्राकृतिक आपदाओं को एक मुख्‍य कारण बताया।

(ग) और (घ) सरकार ने वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्‍य रखा है और इस लक्ष्‍य की प्राप्‍ति के लिए कई कदम उठाएं है एवं पहलें की हैं। किसानों की आय को दोगुना करने से संबंधित मुद्दों की जांच करने और वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्‍य प्राप्‍त करने के लिए एक रणनीति बनाने के लिए मुख्‍य कार्यकारी अधिकारी, राष्‍ट्रीय वर्षा सिंचित क्षेत्र प्राधिकरण, कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्‍याण विभाग की अध्‍यक्षता में एक अंतर-मंत्रालयी समिति का गठन किया गया है। वर्तमान में, आम जनता की राय जानने के लिए इस विभाग की बेवसाइट (<http://agricoop.nic.in/doubling-farmers>) पर समिति द्वारा तैयार किये गये 13 खण्‍डों को अपलोड किया गया है।

**अनुबंध**

**दिनांक 27.07.2018 को उत्‍तर के लिए राज्‍यसभा अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या1159 के भाग (क) के उत्‍तर में उल्‍लिखित अनुबंध**

**‘कृषि परिवारों का स्‍थिति आकलन सर्वेक्षण 2013’ के अनुसार प्रति कृषि परिवार औसत मासिक आय**

|  |  |
| --- | --- |
| **राज्‍य** | **औसत मासिक आय (रू. में)** |
| आन्‍ध्‍ प्रदेश | 5979 |
| अरूणाचल प्रदेश | 10869 |
| असम | 6695 |
| बिहार | 3558 |
| छत्‍तीसगढ़ | 5177 |
| गुजरात | 7926 |
| हरियाणा | 14434 |
| हिमाचल प्रदेश् | 8777 |
| जम्‍मू और कशमीर | 12683 |
| झारखण्‍ड | 4721 |
| कर्नाटक | 8832 |
| केरल | 11888 |
| मध्‍य प्रदेश | 6210 |
| महाराष्‍ट्र | 7386 |
| मणिपुर  | 8842 |
| मेघालय | 11792 |
| मिजोरम | 9099 |
| नागालैण्‍ड | 10048 |
| ओड़िशा | 4976 |
| पंजाब | 18059 |
| राजस्‍थान | 7350 |
| सिक्‍किम | 6798 |
| तमिलनाडू | 6980 |
| तेलंगाना | 6311 |
| त्रिपुरा | 5429 |
| उत्‍तराखण्‍ड | 4701 |
| उत्‍तर प्रदेश | 4923 |
| पश्‍चिम बंगाल | 3980 |
| संघ राज्य क्षेत्रों का समूह  | 8568 |
|  अखिल भारतीय | **6426** |

स्रोत: एनएसएसओ

नोट: आय में वेतन/मजदूरी, खेती से निवल प्राप्ति, पशुपालन से निवल प्राप्ति और गैर-कृषि व्यवसायों से निवल प्राप्ति शामिल है।

\*\*\*\*\*